

>

Title: Regarding privatization of water supply in Aurangabad

श्री सैयद इम्तियाज़ जलील (औरंगाबाद) : अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद ।

महोदय, मैं अपना सवाल शुरू करने से पहले इस सदन में मौजूद तमाम नये सदस्यों की तरफ से आपका तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ कि जिस तरह से आप नये सदस्यों का प्रोत्साहन कर रहे हैं, उनकी हिम्मत अफजाई कर रहे हैं । 300 नये सदस्य हैं, स्वाभाविक है कि जब इस महान सदन के अंदर जब हम आए, तो कहीं न कहीं कुछ घबराहट थी कि क्या होगा, कैसे होगा, लेकिन आपके मुस्कराते हुए चेहरे को देखकर हमारी पूरी टेंशन खत्म हो जाती है ।

महोदय, इसलिए मैं आपको तमाम सदस्यों की तरफ से धन्यवाद देता हूँ । कल जब हम अपनी कांस्टीट्यूएंसी में जाएंगे और लोग हमसे पूछेंगे कि कैसा रहा पहला सत्र, तो हम उनसे यह कहेंगे कि सरकार का तो हम नहीं कहेंगे, लेकिन हमारे जो एंपायर हैं, वे न्यूट्रल एंपायर हैं ।

महोदय, मैं औरंगाबाद से आता हूँ । औरंगाबाद में अभी फिलहाल पानी की जो गंभीर समस्या है, वह इतनी गंभीर हो चली है कि वहां आठ-आठ, दस-दस दिनों के बाद पानी आता है । रात में हमारी मां-बहनों को दो बजे, तीन बजे, चार बजे उठना पड़ता है । यह सेल्फ क्रिएटेड प्रॉब्लम है, इसलिए मैं कह रहा हूँ । वहां एक बड़ी राजनीतिक पार्टी के एक बड़े नेता ने एक प्राइवेट कंपनी को औरंगाबाद में पानी लेने के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिया है । देश के अंदर यह पहला ऐसा केस है, जहां पर पानी का प्राइवेटाइजेशन किया जा रहा है । हम चाहते हैं कि फौरन इसे रोका जाए और राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार से हम यह कहना चाहते हैं कि पानी को उन्होंने बहुत गम्भीरता से लिया है । इस मुद्दे के ऊपर फौरन सरकार की तरफ से कुछ ठोस कदम उठाए जाने चाहिए । पिछले 9 सालों से यह मामला इस वजह से अटका पड़ा है कि वहां का प्रशासन चाहता है और वहां की सरकार चाहती है कि प्राइवेटाइजेशन कर दिया जाए । पानी का

पूरा कॉन्ट्रैक्ट एक प्राइवेट कंपनी के हवाले कर दिया जाए । एक समांतर नाम की कंपनी इन्ट्रोड्यूस की जा रही है । इसे एक पायलट प्रोजेक्ट बोलकर उसे इन्ट्रोड्यूस किया जा रहा है । यदि आप पानी को बेचना शुरू कर दें तो इस देश के अंदर कितना हाहाकार मच जाएगा, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता । इसलिए हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि महाराष्ट्र में भी भाजपा की सरकार है और केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है और सरकार से हाथ जोड़कर यह अनुरोध करना चाहते हैं कि पानी की गम्भीर समस्या को लेकर कम से कम 8 दिन का विशेष सत्र बुलाए, सिर्फ पानी की समस्या को हल करने के लिए या फिर इस सत्र के दौरान कम से कम दो-चार दिन पानी के ऊपर चर्चा हो, ताकि यहां पर बैठे-बैठे इसका हल निकाला जा सके ।